[Shri Annasaheb P. Shinde]

1973. In order to make good the cut in the rice supplies, the wheat supplies were substantially increased. The monthly allotment of wheat to Kerala from January to April, 1973 was only 7000 tonnes and this was increased to 30 to 35 thousand tonnes from May onwards. Thus there was no overall reduction in the allotment of foodgrains to Kerala as a whole. The total supplies of foodgrains to Kerala during January to July, 1973 amounted to 542.9 thousand tonnes as against 497.7 thousand tonnes supplied during the corresponding period of last year.

Steps have been taken to ensure that adequate stocks are maintained with F.C.I. in Kerala

---

12.19 hrs.

STATEMENT BY MEMBER *RE* COMPANIES PRODUCING SCOOTERS AND MOPEDS

श्री मधु लिमये (बांका) अध्यक्ष महोदय, मेरा बहुत छोटा सा बयान है, इस लिये पढ़ता हूं । भारी उद्योग विभाग के उप-मंत्री प्रो० सिद्धेश्वर प्रसाद ने मेरे अतारांकित प्रश्न स० 2625 के जवाब में 9 अगस्त, 1973 को कहा कि मैसर्ज एस्कार्ट लि० को छोड़ कर स्कूटर तथा मोपेड बनाने वाली सभी कम्पनियों ने अपने उत्पादन की शुरूआत विदेशी सहयोग से की है । यह बिलकुल गलत है ।

क्या मंत्री महोदय इस बात को काट सकते है कि पूना की मैसर्स कीनेटिक इंजीनियरिंग प्राइवेट लि० ने बिना विदेशी सहयोग के अपनी मोपेड की पैदावार प्रारम्भ की ? कोयम्बटूर की मोपेड इण्डिया लि० कम्पनी को विदेशी सहयोग का अपना करार और तीन साल बढ़ाने की अनुमति देने का सरकार ने जो असमर्थनीय निर्णय लिया, उस की पुष्टि में मंत्री महोदय ने यह गलत बयानी की ।

मैं मांग करता हूं कि मंत्री जी सही स्थिति सदन के सामने रखें और गलत बयानी के लिये खेद प्रकट करें ।

भारी उद्योग मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) . माननीय अध्यक्ष महोदय, इस बात का खण्डन नहीं किया जाता है कि मैसर्स कीनेटिक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड ने बिना विदेशी सहयोग के मोपेडो का निर्माण करना प्रारम्भ कर दिया है । लोक सभा में 9 अगस्त, 1973 को अतारांकित प्रश्न संख्या 2625 के भाग (ग) के उत्तर मे मैसर्स कीनेटिक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम भूल से छूट गया है । सही उत्तर निम्न-लिखित होना चाहिए —

> "मैसर्स एस्कार्टस लिमिटेड और मैसर्स कीनेटिक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड को छोड़ कर सभी कम्पनियो ने विदेशी सहयोग से निर्माण प्रारम्भ किया । इस समय मोपेडो का निर्माण कर रही कम्पनियो से से केवल एक कम्पनी विदेशी सहयोग कर रही है ।"

इस त्रुटि के लिए खेद है ।

उत्तर मे यह कहा गया था कि मोपेडो का निर्माण करने वाली कम्पनियो मे से एक कम्पनी विदेशी सहयोग कर रही है । यह कम्पनी मैसर्स मोपेड इंडिया है ।

इस मामले मे वैध कारणो से रायल्टी की घटाई गई अदायगी पर तीन वर्षों की अग्रेतर अवधि के लिए सहयोग बढ़ाया गया है । वह एकक-विशेष फ्रांस की एक फर्म के सहयोग से कुछ समय तक उत्पादन करता रहा है, जिसमें विदेशी सहयोगकर्ता की विशेष रूप से पेटेंट की हुई प्रक्रिया का इस्तेमाल करना निहित है । इसलिए सरकार ने तीन वर्षों की अल्पतम अग्रेतर अवधि के लिए उनके सहयोग करार को बढ़ाने की स्वीकृति दे दी है इसकी शर्त यह है कि तीन

वर्षों की बढ़ाई गई अवधि के अन्दर वे अपनी गाड़ी का पूर्णरूप से देशीकरण करेंगे और तीन वर्षों की बढ़ाई गई अवधि के पश्चात् पेटेन्ट की हुई प्रक्रिया और जानकारी का इस्तेमाल करने के लिए पूरा और अबोध अधिकार प्राप्त करेंगे ।

वैध कारण से इस वृद्धि की स्वीकृति देने पर जारी रहने वाले सहयोग के रूप में इस स्थिति में विशेषरूप से उल्लेख किया गया था । एक एकक के नाम का भूल से उल्लेख न करना, जिसका कि खेद है, इस प्रकार सहयोग की अवधि बढ़ाने के बारे में निर्णय, अथवा विदेशी सहयोग के बिना एककों ने उत्पादन प्रारम्भ कर दिया है के बारे में वक्तव्य से इसका कोई संबंध नहीं है ।

12.20 hrs.

RE. STATEMENTS LAID ON THE TABLE

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) : अध्यक्ष जी, कल यहां स्टेट्स का कोटा कम करने का मामला उठाया गया था । आप ने कहा था कि मंत्री महोदय बयान देंगे । मंत्री महोदय ने कोई बयान नहीं पढ़ा है, जब कि आर्डर पेपर के हिसाब से ले करने का सवाल नहीं है, वह स्टेटमेन्ट देंगे ।

SHRI INDRAJIT GUPTA (Alipore): All these items 18 to 22 were just laid on the Table of the House. They should actually be read in the House.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: And Members should be allowed to seek clarification.

MR. SPEAKER: Copies were available in the Notice Office.

SHRI INDRAJIT GUPTA: I came through the Notice Office and they told me that one statement was available; the others were not there.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, सारी स्टेट्स में संकट पैदा हो गया है । अखिर गेहूं का कोटा क्यों कम किया गया है ? मुझे पता नहीं मंत्री महोदय ने अपने बयान में क्या कहा है । मंत्री महोदय यहां पर बैठे हुए हैं, हम उनसे जानना चाहेंगे । (व्यवधान)

SHRI INDRAJIT GUPTA: Items 21 and 22, both of which concern the very serious food crisis, were laid; they should be read out here.

अध्यक्ष महोदय : मुझे कोई एतराज नहीं है वह पढ़ दें ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मैंने पढ़ लिया है, मंत्री महोदय सदन को गुमराह कर रहे हैं । उत्तर प्रदेश का कोटा आधा कर दिया है । यह सदन को गलत जानकारी दे रहे हैं । मैं जानना चाहूंगा कि हर स्टेट का कोटा कितना कम किया गया है । (व्यवधान)

MR. SPEAKER: After the statements, rules do not permit questions being asked. If there is a specific question that you want to raise, sometimes in the day he can make a statement in reply.

SHRI K. S. CHAVDA (Patan): Rules do not permit the statements being laid on he Table of the House.

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur): I wrote to you in the morning, when I saw the Order Paper. I wanted to raise a point of order on two items—No. 18, dealing with dearness allowance to the Central Government employees and No. 21 about the supply of wheat to U.P. I know that 216 points will be reached next month. The dearness allowance will have to be increased and you must allow us to have a discussion. I know that they have given only Rs. 7, 8 or 10..... (*Interruptions*)